बुध ग्रह का रत्न

पन्ना (Emerald) बुध ग्रह का रत्न है, और बुध ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। शुद्ध पन्ना रत्न धारण करने के परिणाम तीन वर्ष तक प्राप्त होते हैं। शुद्ध पन्ना रत्न के अभाव में बुध ग्रह के उपरत्नों का भी प्रयोग किया जा सकता है जैसेः- पन्नी, संगपन्ना, मरगज, ओनेक्स, फिरोजा आदि।

पन्ना रत्न की सामान्य पहचान

पन्ना रत्न देखने में चमकदार, हरा और लगभग पारदर्शी होता है। हाथ में लेने पर अपेक्षाकृत हल्का, कोमल और चिकना होता है। पन्ना रत्न के ऊपर पानी की बूंद रखने पर यथा स्थान बनी रहती है।

पन्ना रत्न की सामान्य परीक्षण विधियां

पन्ना रत्न को जल युक्त कांच के गिलास में रखने पर हरी किरणें निकलती दिखाई देती हैं, असली पन्ना रत्न गरम करने पर चटकता नही है, और उसका रंग भी नही उड़ता।

पन्ना रत्न धारण करने की विधि

पन्ना रत्न को प्लेटिनम, सोने, चांदी या तांबे की अंगूठी या लॉकेट में बनाकर, उसकी प्राणप्रतिष्ठा करके या करवाकर, किसी शुभ मुहूर्त में या शुक्ल पक्ष के बुधवार के दिन या बुध की होरा में या बुध ग्रह के नक्षत्र वाले दिन में सुबह कनिष्ठिा अंगुली (little finger) में धारण करना चाहिये।

पन्ना रत्न धारण करने के लाभ

जन्म पत्रिका में बुध ग्रह के स्वामित्व भाव, बुध ग्रह के स्थित भाव, बुध ग्रह की दृष्टि और बुध ग्रह की दशा आदि में बुध ग्रह के शुभ प्रभावों को बढ़ानें और अशुभ प्रभावों को कम करने में पन्ना रत्न सहायक होता है, साथ ही बुद्धि की तीव्रता और एकाग्रता बढ़ाने, वाणी शक्ति को बढ़ाने, व्यापार में वृद्धि, आंतों से संबंधित रोगों से मुक्ति, मानसिक और श्वास रोगों या तनाव आदि को दूर करने में भी सहायक सिद्ध होता है।

पन्ना रत्न धारण करने के लिए निर्देश और सावधानियां

पन्ना रत्न के पूर्ण शुभ फल प्राप्त करने के लिए अंगूठी या लॉकेट का निचला भाग भी खुला होना चाहिए ताकि पन्ना रत्न आपके शरीर को छू सके। पन्ना रत्न धारण करने के बाद यदि संभव हो सके तो तामसिक भोजन का प्रयोग न करें, नही तो कम से कम बुधवार के दिन तामसिक भोजन का प्रयोग बिलकुल न करें, धैर्य रखें, क्रोध न करें, झूठ न बोलें और बुधवार के दिन यथा शक्ति बुध ग्रह का मंत्र जप करें। **पन्ना रत्न धारण करनें के बाद 27 दिन के अन्दर यदि आपको प्रतिकूलता का अनुभव हो तो तुरंत ज्योतिषीय सलाह लें।**